क्यों चिंता करता बेकार द्वारे पे तेरे खडो है दातार लिरिक्स

क्यों चिंता करता बेकार,
द्वारे पे तेरे खडो है दातार,
देगो चुगेरो है जाने चोंच दई।bd।

तर्ज – आने से उसके आए।

धन धान मान दियो है,
और सुंदर दई देह नर की,
जाने गेहने दियो है,
वो ही चिंता करेगो या घर की,
काहे करे दुनिया में,
तू झूठो बखेड़ो है,
जाने चोंच दई,
देगो चुगेरो है जाने चोंच दई।bd।

नौ मास के गर्भ में,
जिंदा कैसे रह्यो कहाँ से खायो,
जब दांत नही थे तेरे मुख में,
दूध अमृत सो तोकूं पिलायो,
सब जग को रखवारो,
देगो सहारो है,
जाने चोंच दई,
देगो चुगेरो है जाने चोंच दई।bd।

कहाँ सोच को बनेगो,
काहे चिंता में तन को जलावे,
वाके आगे ना तेरी चलेगी,
वो तो सारे जगत को चलावे,
पूरण को पूरण है,
ना कछु तेरो है,
जाने चोंच दई,
देगो चुगेरो है जाने चोंच दई।bd।

क्यों चिंता करता बेकार,
द्वारे पे तेरे खडो है दातार,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com